(b) if so, whether Government attention has been drawn to the acute scarcity of dry cells as a result thereof; and

(c) what steps Government propose to take to improve the situation?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI B1BUDHENDRAMISRA): (a) No special restrictions have been imposed on the import of zinc and superior manganese.

(b) Shortage of dry cells for civilian consumption has, however, been due to the production having been diverted to meet the urgent needs of Defence, Railways and other Government Departments in the wake of the Indo-Pakistan conflict.

(c) Letters of intent have been issued for the setting up of three new units. Besides dry cells have been included as one of the priority industries for which imports have been liberalised and this will enable existing units to maximise their production.

### महोबा या हरपालपुर से खजुराहो तक रेलवे लाइन

642. श्रीमती विद्यावती चतुर्वेदी : क्या

रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पर्यटकों को और अधिक सुविधाएं देने तथा इससे और अधिक विदेशी मुद्रा प्राप्त करने के उद्देश्य से महोबा या हरपालपुर से खजुराहो तक रेलवे लाइन बिछाने के संबंध में कोई प्रस्ताव क्या सरकार के विचारा-धीन है ; और

(ख) यदि हां, तो कब तक रेलवे लाइन बिछा दी जाएगी ?

#### f[RAILWAY LINE FRO Vt MAHOBA OR HARPAL-PUR TO KHAJURAHO

642. S H R I M A T I VIDYAWATI CHATURVEDI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under Government's consideration to lay a Railway line from Mahoba or Harpalpur to Khajuraho with a view to provide more facilities to the tourists and thus to earn more foreign exchange; and

(b) if so, when the line will be laid?

रेल मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाम नाष) (क) जी नहीं।

(ख) सवाल नहीं उठता ।

t [THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHAM NATH): (a) No.

(b) Does not arise. ]

# महोबा तथा हरपालपुर से पान की ढुलाई से होने वाली आय

643. श्रीमती विद्यावती चतुर्बेवी : क्यारेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1947 से पूर्व मध्य रेलवे के झांसी-मानकपुर सेक्शन के महोवा तथा हरपालपुर स्टेशनों से पान की ढुलाई ढारा कितनी बार्षिक आय होती थी:

(ख) 1950 से 1965 तक वार्षिक आय क्या रही है; और

(ग) यदि आय में कमी हुई है, तो उसके क्या कारण हैं, और आय में कमी को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं।

#### F[LNCOME FROM TRANSPORTATION OF BETEL LEAVES FROM MAHOBA AND HARPALPUR

643. SHRIMATI VIDYAWATI CHATURVEDI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the annual income derived from transportation of betel leaves from Mahoba and Harpalpur Railway stations of Jhansi Manakpur section of the Central Railway before the year 1947; and

(b) what has been the annual income from 1950 to 1965; and

(c) tf there is a decline in income, what are the reasons therefor and what steps are being taken by Government check the decline in income?]

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा॰ राम सुमग सिंह): (क) से (ग) अपेक्षित सूचना, जितनी उपलब्ध है, साथ के बयान में दी गई है।

### विवरण

(क) 1946 में महोबा और हरपाल-पुर रेलवे स्टेशनों से पान का जो परिवहन हुआ उससे कमश: 1.2 लाख और 0.10 लाख रूपये की वार्षिक आय हई।

(ख) 1950 से 1965 तक की वर्षिक आमदनी इस प्रकार है:--

वर्ष	महोबा	हरपालपुर	
	(लाख रुपये)		
1950	1.83	0.29	
1951	1.49	0.21	
1952	1.35	0.19	
1953	1.57	0.30	
1954	1.75	0.25	
1955	1.51	0.52	
1956 1957 1958 1959	आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।		
1960	0.74	0.24	
1961	1.03	0.25	
1962	0.40	0.19	
1963	0.63	0.29	
1964	0.81	0.02	
1965	0.85	0.02	

(ग) आमदनी कम हो जाने का कारण यह है कि यातायात सड़क के रास्ते होने लगा है, जिसमें घर पर माल पहुंचाने की व्यवस्था है।

आमदनी में गिरावट की रोक्याम के लिए रेल प्रशासन ने जो उपाय किये हैं, उनमें से एक यह है कि माल पटुंचाने में कम समय लगे, जिसके लिए यह कोशिश की जाती है कि माल जंकशन पर न रुका रहे और पासैलों के आने जाने पर कड़ी निमाह रखी जाती है। सड़कों और सड़क वाहनों के विकास के साथ, कुछ-न-कुछ यातायात सड़क के रास्ते होना अनिवार्य है। †(THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (DR. RAM SUBHAG SINGH): (a) to (c) The requisite information, as far as available, is shown in the enclosed Statement.

#### STATEMENT

(a) Annual earnings derived from transportation of betel leaves from Mahoba and Harpalpur Railway stations during 1946 Rs. 1.2 lakhs and Rs. 0.10 lakhs respectively.

(b) The annual earnings from 1950 to 1965 were as under:--

Year			Mahoba	Harpal- pur	
			(Rupces in lakhs)		
1950	•••	••	1.83	0-29	
1951		••	1.49	0.21	
1952			1-35	0-19	
1953			. 1.57	0-30	
1954			1.75	0.25	
1955			1-51	0.52	
1956 1957 1958 1958			Not available.		
1960			0.74	0.24	
1961			1.03	0.25	
1962			0.40	0.19	
1963		· · ·	0.63	0.29	
1964			0.81	0.02	
1965			0.85	0-02	

(c) Diversion of the traffic to road transport, which provides quick door to door service, accounts for the decline in carnings.

Steps taken by the Railway Administration to arrest the drop in earnings include improvement in transit time by avoiding detention of consignments at junctions and keeping close watch on the movement of the parcels. With the development of roads and road vehicles, a certain amount of diversion of traffic is bound to occur.]

## दिल्ली और बन्बई के बीच चलने वाली गाड़ी के सम्बन्ध में पहले दर्जे की आरक्षण सूची लगाना

644. **शी विमलकुशार भव्मालालकी बौरड़िया : क्या रेल मंत्री यह बताने की** कुना करेंगे कि दिल्ली **खौर बम्बई के बीच** चलने व'र्ला 19-अप गाड़ी के पहले दर्जे के

†[ ] English translation.